Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to give compensation to the family of the Dalit boy who has been brutally killed in Punjab.

श्री भगवंत मान (संगरूर): अध्यक्ष जी, मैं पंजाब की एक बहुत ही दु:खद घटना के बारे में बोलना चाहता हूं । यह दु**:**ख की बात है कि पंजाब में कांग्रेस की जो सरकार है, वह छुट्टियां मनाने यूरोप गई है । वे शिकार खेलने गए हैं और पंजाब में दरिंदे इंसानियत का शिकार कर रहे हैं । मेरे संसदीय क्षेत्र संगरूर जिले के चांगली गांव में एक दलित नौजवान को बहुत ही दरिंदगी से मार दिया गया । उसके मांस को प्लास से नोच-नोच कर, उस पर तेजाब छिड़क कर और जब उसने पानी मांगा तो उसको पेशाब पिलाया गया । ऐसी क्रूरता पंजाब में घटी है । लोग सड़कों पर बैठे है, उनका परिवार पीजीआई में बैठा है । वे 50 लाख रुपये मुआवजा की मांग कर रहे हैं और एक सरकारी नौकरी की मांग कर रहे हैं । वे पोस्टमार्टम करवाने को तैयार नहीं हैं, लेकिन पंजाब में कोई डिसिजन मेकर नहीं है । कोई फैसला लेने वाला नहीं है**,** क्योंकि मुख्य मंत्री साहब अपनी छुट्टियां मनाने गए हैं । मैंने कल चीफ सेक्रेट्री साहब को दो बार फोन किया तो उन्होंने कहा कि मैं अभी कोई डिसिजन नहीं ले सकता हूं, क्योंकि सीएम साहब बाहर गए हुए हैं ।

(Shri Rajendra Agrawal *in the Chair*)

मैं आग्रह करता हूं कि होम मिनिस्ट्री इमीडिएटली इन्टरफियर एन्टरफेयर करे । वह गरीब परिवार है और लोग संगरूर में भी बैठे हैं और चंडीगढ़ में परिवार धरने पर बैठे हैं । उनसे बात करने के लिए सरकार के पास कोई नुमाइंदा नहीं है । पंजाब में ऐसा बहुत कम देखा गया है कि पंजाब को लावारिस छोड़ कर सरकार यूरोप में घूमने गई है ।

मैं आपके माध्यम से होम मिनिस्टर साहब से आग्रह करता हूं कि कृपया पंजाब सरकार के अधिकारियों को आदेश दें कि उस परिवार को 50 लाख

रुपये, जगमेर सिंह, जिसका नाम है, उसके परिवार को 50 लाख रुपये और सरकारी नौकरी दे कर, दोषी ऐसी मिसाली सजा हो कि आगे दलितों, गरीबों या आम लोगों पर ऐसी दरिंदगी करने के लिए कोई सोच भी न सके । यह पंजाब की संगरूर की चांगली गांव की घटना है ।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करता हूं कि वह संज्ञान ले । पंजाब सरकार छुट्टियों पर गई हुई है । इस वक्त पंजाब लावारिस है ।

माननीय सभापति : कृपया, एक मिनट में बात कीजिए ।

...(व्यवधान)

श्री चिराग पासवान (जमुई): सर, मैं एसोसिएट करना चाहता हूं ।...(व्यवधान)

माननीय सभापति : कृपया, आप लिख कर भेज दीजिए ।

श्री चिराग पासवान को श्री भगवंत मान द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।